वर्ष-9 | अंक 34 | 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2025 तक

पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मूल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

शाह बोले- सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंप चलाएंगी, गैस बांटेंगी

उदय प्रताप सिंह चौहान

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के बीच एमओयू हुआ। इसके साथ ही एमपी के छह दुग्ध संघों और एनडीडीबी के बीच छह अलग-अलग एमओयू भी किए गए। शाह ने कहा कि देश में सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंपों का संचालन करेंगे और रसोई गैस वितरण भी संभालेंगी। सहकारिता सेक्टर में मध्य प्रदेश में काफी संभावनाएं हैं, जिस पर काम करने की जरूरत है।

शाह बोले- सहकारिता में काफी काम करने की जरूरत

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा- मध्य प्रदेश के अंदर कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र में अधिक संभावनाएं हैं। मैं मानता हूं कि हमें हमारी संभावनाओं का शत प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारा काम करने की जरूरत है।

शाह ने कहा- साढ़े 3 साल में काफी बदलाव आया

अमित शाह ने कहा कि ग्रामीण विकास और कृषि विकास के आयाम, पशुपालन के आयाम, इन सबको एक जगह पर रखकर केंद्रीय स्तर पर कोई विचार नहीं किया। विचार होता भी कैसे। कोई सहकारिता मंत्रालय ही नहीं था। आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर मुझे मंत्री बनाया। मोहन जी कह रहे हैं उन्हें आश्चर्य हुआ तो थोड़ा मुझे भी आश्चर्य हुआ। साढ़े तीन साल के समय में मोदी जी ने खुद बहुत बारीकी से देखकर सहकारिता आंदोलन में बहुत बड़ा बदलाव लाने का काम किया।

मॉडल बायलॉज को सभी राज्यों ने अपनाया- शाह

शाह ने कहा- आज भी सहकारिता राज्य का विषय है। भारत सरकार राज्य की सूची में कोई बदलाव नहीं कर सकती, लेकिन टैक्स को पुनर्जीवित करना, डेयरी क्षेत्र को बढ़ाना, उत्पादन के क्षेत्र में सहकारिता को ले जाना, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, जिला सहकारी बैंक और ग्रामीण बैंकों के सुचारू व्यवस्थापन का सारा काम कैसे होगा। सहकारिता मंत्रालय में सबसे पहले मॉडल बायलॉज बनाए और उसे सभी राज्य सरकारों को भेजे। कई पत्रकार अटकलें लगा रहे थे कि मॉडल बायलॉज राजनीति की भेंट चढ़ जाएगा। कई गैर भाजपा शासित राज्य बायलॉज स्वीकार नहीं करेंगे। मैं कहना चाहता हूं की संपूर्ण भारत में मॉडल बायलॉज को स्वीकार किया गया है। जब आपकी नीयत ठीक हो, श्रम करने की वृद्धि हो तो नतीजे भी ठीक ही आएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। इस दौरान सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पशुपालन-डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल के साथ-साथ नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और मध्यप्रदेश के सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इससे पहले स्टेट हैंगर पर शाह का स्वागत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने किया। इसके बाद शाह का काफिला रवाना होकर सीएम हाउस पहुंचा, जहां शाह ने सीएम मोहन यादव और उनके साथी मंत्रियों के साथ लंच किया।

सीएम ने कहा- किसानों की जिंदगी बेहतर बनाएंगे

सीएम ने कहा कि हजारों साल से ऐसा माना जाता था कि हमारे देश में दूध की नदियां बहती थीं। लेकिन गाय का दूध खरीदने में हाथ जोड़ते थे। यह बात अलग है की दूध में पानी मिलाकर चला दें, लेकिन कोई दूध उत्पादक घर से गाय का दूध लेकर जाए तो गाय का दूध नहीं खरीदते थे।

सांची का नाम नहीं बदलेगा, संचालन एनडीडीपी के हाथ में होगा

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री लखन पटेल ने बताया कि मप्र दुग्ध संघ और एनडीडीबी के बीच अनुबंध के बाद भी न तो सांची का नाम हटेगा, न लोगो बदलेगा। संचालन का काम एनडीडीबी के हाथों में रहेगा। दुग्ध संघ में अब सीईओ, एनडीडीबी के अधीनस्थ काम करेंगे। एनडीडीबी मप्र में डेली दुग्ध उत्पादन क्षमता को 10 लाख लीटर से बढ़ाकर 5 साल में 20 लाख लीटर तक ले जाएगा। 5 साल के प्रोजेक्ट के लिए 1447 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है।

गौ-शालाओं से मध्यप्रदेश में गौ-सेवा की लिखेंगे नई इबारत : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गौ-संरक्षण और संवर्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा तेजी से संकल्पबद्ध होकर कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए गौ-शालाओं के विस्तार के लिए योजनाबद्ध रूप से प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और प्रदेश में नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। इससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ही दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में भी वृद्धि की जाएगी। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिले। इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर जिले के महू-मण्डलेश्वर मार्ग पर स्थित आशापुरा में प्रदेश में हाईटेक कामधेनु गौ-शाला के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस गौ-शाला में 10 हजार गायों के पालन-पोषण की व्यवस्था रहेगी। यह गौ-शाला लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाई जा रही है। इस गौ-शाला का निर्माण इंदौर नगर निगम द्वारा किया जायेगा। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी नगर निगम ही संभालेंगी। गौ-शाला के संचालन में संत समाज का सहयोग भी लिया जायेगा। गौ-शाला के संचालन में समाजसेवी निःस्वार्थ भाव से गौ-सेवा के कार्यों में जुड़ सकेंगे। गायों के पालन और संरक्षण के लिये सभी जरूरी सुविधाएं गौ-शाला में रहेंगी। गौ-शाला क्षेत्र में सघन पौध-रोपण भी किया जायेगा।

यह बहुत ही सौहार्दपूर्ण और प्रेमभाव से भरा कार्य है! ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम भाइयों को शुभकामनाएं देना समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द को मजबूत करता है।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

गुना पथराव में एफआईआर फायरिंग का भी जिक्र

भाजपा पार्षद ने 5 नामजद, 20 अज्ञात पर कराया केस; हनुमान जयंती के जुलूस में हुआ था हंगामा

न्यूज क्राइम फाइल

गुना में शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर निकाले जा रहे जुलूस पर पत्थरबाजी के बाद स्नढ्डक्र दर्ज की गई है। भाजपा पार्षद ओमप्रकाश कुशवाह गब्बर की शिकायत पर पांच नामजद और 15-20 अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों पर हत्या के प्रयास, मारपीट, तोड़फोड़, बलवा की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा पार्षद ने अपनी शिकायत में गोली चलने तक की बात कही है। रविवार सुबह भाजपा पार्षद ने स्नढ्डक्र में आरोपियों के नाम बढ़ाए जाने के लिए आवेदन दिया। पत्थरबाजी की घटना के विरोध में आज रविवार को करणी सेना ने गुना बंद का आह्वान किया था, लेकिन रविवार को बाजार खुला हुआ है।

मस्जिद के सामने हुआ था हंगामा

शनिवार को हनुमान जयंती पर शाम 4 बजे शिवाजी नगर माता मंदिर से जुलूस निकाला जा रहा था। जुलूस में आगे डीजे चल रहा था और पीछे युवा नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे। यह जुलूस शाम लगभग 7:30 बजे कर्नलगंज इलाके में पहुंचा और मस्जिद के सामने रुका। थोड़ी देर बाद यहीं पर जुलूस के ऊपर पत्थर फेंका गया। इसी के बाद हालत बिगड़ गए। दोनों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को वहां से खदेड़ा। देर रात केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एसपी संजीव कुमार से बात कर हालात की जानकारी ली।

पथराव के बाद हनुमान चौराहे पर चक्काजाम

पथराव के बाद जुलूस में शामिल लोग हनुमान चौराहे पर पहुंचे। यहां उन्होंने चक्काजाम शुरू कर दिया। प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें समझाकर कोतवाली थाने जाने को कहा। इसके बाद प्रदर्शनकारी कोतवाली थाने के लिए रवाना हुए और चक्काजाम खत्म किया। कलेक्टर किशोर कान्याल और एसपी संजीव कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालातों का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों से बात की।

कोतवाली से फिर रपटे पर पहुंचे युवा

जैसे ही पथराव की खबर शहर में फैली, और ज्यादा लोग कोतवाली में जुटने लगे। यहां से सभी कर्नलगंज के लिए निकले। युवाओं ने रास्ते में रखी ईंटों को उठा लिया। हालांकि, रपटे पर पहुंचने पर वहां मौजूद पुलिस ने सभी को खदेड़ दिया। खदेड़े जाने के बाद सभी फिर कोतवाली पहुंच गए। गुना विधायक पन्नालाल शाक्य भी कोतवाली पहुंचे और कार्रवाई की बात कही।

एफआईआर होने के बाद जयस्तंभ चौराहे पर चक्काजाम

कोतवाली थाने में एफआईआर की प्रक्रिया चल ही रही थी, इधर युवाओं ने जयस्तंभ चौराहे पर फिर चक्काजाम कर दिया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कलेक्टर और एसपी की गाड़ी को भी इन्होंने रोक लिया। अधिकारी गाड़ी से उतरे। कलेक्टर किशोर कान्याल ने माइक लेकर सभी को समझाया कि कार्रवाई हो रही है, चक्काजाम न करें। इसके बाद सभी लोग वहां से हटे। हालांकि, देर रात 12 बजे तक युवा कोतवाली के आसपास डटे रहे।

एफआईआर में फायरिंग तक की बात

भाजपा पार्षद ओमप्रकाश कुशवाह गब्बर ने जो एफआईआर दर्ज करवाई है उसमें लिखा है.... 12 अप्रैल 2025 को शाम 4 बजे हर साल की तरह शिवाजी नगर माता मंदिर से हनुमान जयंती का जुलूस निकला, जिसमें लगभग 100 लोग शामिल थे। जुलूस में एक डीजे पीछे चल रहा था, जो शाम करीब 7:45 बजे कर्नलगंज मस्जिद के पास पहुंचा। मस्जिद के पास डीजे चल रहा था, तभी कर्नलगंज निवासी विक्की पठान अपने दो-तीन साथियों के साथ आया। उसने डीजे बंद करके तुरंत आगे बढ़ने को कहने लगा। इसके बाद मस्जिद और आसपास से कुछ लोग आ गए। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। अचानक मस्जिद के ऊपर से, विक्की के घर और आसपास से पत्थरबाजी शुरू हो गई। जुलूस में शामिल लोग अपनी जान बचाकर भागने लगे। इस दौरान विक्की के लड़के आमीन ने थार गाड़ी चला रहे रजत ग्वाल पर पिस्टल से फायर किया, जो उनके कान के पास से निकली। गुड्डू खान ने रजत पर लुहांगी से वार किया, जिससे उनके हाथ में चोट आई। विक्की और उसके लड़के तौफीक खान, गुड्डू खान और अन्य 15-20 साथियों ने मिलकर पत्थर, लाठी और लुहांगी से हमला किया। इस हमले में राजकिशोर, बंटी कुशवाह, अभिषेक धाकड़, विशाल अनोटिया, अनुल अनोटिया, अभिषेक कुशवाह, सुग्रीव सेन, अकुल कुशवाह, पवन कुशवाह और अन्य लोग घायल हुए। आरोपियों ने गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। घटना के वीडियो बनाए हैं। आशंका है कि दंगे की साजिश थी पहले से थी।

अनुमति को लेकर भी सवाल

इस मामले में जुलूस की अनुमति को लेकर भी विवाद की स्थिति है। आयोजकों का कहना है कि उन्होंने कार्यक्रम की अनुमति ली थी, जबकि प्रशासन इसे नकार रहा है। आयोजकों ने 7 अप्रैल का एक पत्र भी जारी किया है। यह पत्र जुलूस की अनुमति के लिए एसडीएम शिवानी पांडे को लिखा गया है। वहीं एसपी संजीव कुमार सिन्हा का कहना है कि उन्होंने एसडीएम से जानकारी ली है। जुलूस निकालने की कोई अनुमति उनके कार्यालय से नहीं दी गई है।

मामले में किसने क्या कहा...

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, इस तरह से धार्मिक उन्माद फैलाना और हिन्दू यात्रियों को रोकने की कोशिश करना उचित नहीं है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा, देश विरोधी ताकत तो जवाब दिया जाएगा। सरकार संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। सभी के त्योहार पर सामंजस्य बनाकर काम किया जाता है। प्रदेश का वातावरण खराब नहीं होने देंगे। ऐसी ताकतों को कड़ा जवाब देने के लिए सरकार की अलर्ट है।

एसडीएम ने महिलाओं को धमकाया - एफआईआर करा देंगे

न्यूज क्राइम फाइल

खंडवा में जलसंकट को लेकर महिलाओं ने चक्काजाम कर दिया। विरोध-प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंचे एसडीएम बजरंग बहादुर ने प्रदर्शन कर रही महिलाओं को कार्रवाई कर एफआईआर की धमकी दी। जिस पर महिलाओं ने कहा- आप इतने बड़े अधिकारी हैं, इस तरह की भाषा शोभा नहीं देती। महिलाओं ने कहा कि वे गृहिणियां हैं और नियम-कायदे नहीं जानतीं, लेकिन जब हालात असहनीय हो गए तो सड़कों पर उतरने को मजबूर हुईं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप

लगाया कि स्ष्ठरू ने न केवल धमकी दी, बल्कि बदसलूकी करते हुए अफसरशाही का रौब भी दिखाया।

दो हफ्तों से यहां पानी की किल्लत

बता दें कि शहर में नर्मदा पाइपलाइन के बार-बार फूटने से दो हफ्तों से लगातार पानी की किल्लत है। रविवार को लोगों का सब्र टूट गया। उन्होंने इंदिरा चौक पर प्रदर्शन किया। इस बीच महिलाओं और स्ष्ठरू बजरंग बहादुर के बीच तीखी बहस हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

अफसरों से बोले-आपकी भाषा में शालीनता होनी चाहिए

इस घटनाक्रम के दौरान सीएसपी अभिनव बारंगे, तहसीलदार महेश सोलंकी और टीआई अशोक सिंह चौहान भी मौके पर मौजूद रहे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने अधिकारियों से कहा कि आप पढ़े-लिखे लोग हैं, आपकी भाषा में शालीनता होनी चाहिए।

एसडीएम बोले- चक्काजाम अपने आप में अपराध है

एसडीएम बजरंग बहादुर का कहना है कि पानी की समस्या को लेकर महिलाओं ने नगर निगम के तीन-चार कर्मचारियों से संपर्क कर उनसे शिकायत की थी। समस्या का समाधान ना होने पर उन्होंने चक्काजाम कर दिया। जबकि ऐसा करना गलत है, चक्काजाम अपने आप में अपराध है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के वाराणसी स्थित संसदीय जनसंपर्क कार्यालय में आज आमजन की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को जन-समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

भोपाल में युवक की संदिग्ध मौत

पत्नी का दावा कुत्ते के काटने से गई पति की जान, कई घंटे तक पड़ा रहा शव

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में इनसानियत को शर्मसार करने वाली वाली घटना सामने आई है। एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पत्नी ने दावा किया कि पति की मौत कुत्ते के काटने से हुई है। कई घंटे तक महिला मासूम बच्चों के साथ पति के शव के पास बैठी रही। बाद में राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। तब शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कोहेफिजा पुलिस ने शव को हमीदिया अस्पताल की मर्चुरी में रखवा दिया। घटना सिंगारचोली ब्रिज के नीचे की है। यहां कई मजदूर परिवार झुग्गी बनाकर रहते हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि युवक की मौत के कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट में हो सकेगा। पुलिस ने बताया कि बबलू राणा पुत्र किशोरी राणा(32) मूल रूप से सागर का रहने वाला था। एक साल पहले पत्नी बच्चों के साथ भोपाल आया था। प्रारंभिक पूछताछ में पत्नी ने पुलिस को बताया कि पिछले दिनों एक कुत्ते ने पति को काट लिया था। तब से ही उनकी तबीयत खराब रहने लगी थी। अजीब-अजीब आवाजें निकालने लगे थे। शनिवार की रात को उनके मुंह से फैन निकलने लगा। कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पत्नी के डिटेल बयान रविवार को दर्ज किए जाएंगे।

भीड़ न होने से टला बड़ा हादसा

अशोका गार्डन में देर रात आग लगने से सिलेंडर में हुआ ब्लास्ट

न्यूज क्राइम फाइल

शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात 3:30 बजे अशोक गार्डन में 80 फीट रोड पर आग लग गई। आग एक दुकान में लगी। आग के कारण एक सिलेंडर भी ब्लास्ट हुआ। पुल बोगदा सब फायर स्टेशन से पहुंची दो दमकलों ने डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने से दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। मौके से गुजर रहे टोमेटो डिलीवरी बॉय ने आग लगने की तत्काल सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी। रात का समय होने से दुकान बंद थी और आसपास लोगों की भीड़ भी नहीं थी। इससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

धूप में खड़ी सीएनजी वैन में लगी आग

कमला पार्क इलाके में एक सीएनजी वैन में अचानक आग लग गई। आग देख वहां भीड़ जमा हो गई। सूचना पर फतेहगढ़ फायर स्टेशन से दमकल पहुंची और एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वैन में आग कैसे लगी, इसका कारण अभी सामने नहीं आया है। लोगों का कहना है ?कि वैन काफी समय से धूप में खड़ी हुई थी।

भोपाल में दूसरे दिन भी क्लिनिक की जांच

कार्रवाई के डर से कई पर ताले लगे; एक दिन पहले 4 क्लिनिक हो चुके बंद

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के क्लिनिक की लगातार दूसरे दिन जांच की गई। कार्रवाई के डर से कई क्लिनिक पर तो डाले लग गए। 4 क्लिनिक को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बंद कर दिया। इससे पहले इन्हें नोटिस थमाए गए थे। शनिवार को जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत, सब डिविजनल मेडिकल ऑफिसर डॉ. अश्विन भंबल एवं डॉ. अभिषेक सेन टीम के साथ अशोका गार्डन स्थित गुप्ता क्लिनिक एवं प्लेटिनम प्लाजा स्थित शुद्धि क्लीनिक पर जांच के लिए पहुंचे। हालांकि, कार्रवाई के डर से संचालकों ने क्लिनिक बंद रखें। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार शुद्धि क्लिनिक के कहीं अन्य स्थान पर संचालित होने की भी जांच की जा रही है। जांच दलों को ऐसी ही स्थित कई अन्य स्थानों पर भी मिली। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया, स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई जारी रहेगी। बिना अनुमति चल रहे चिकित्सा संस्थानों पर विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी, पैथी के उल्लंघन आदि मानकों को भी देखा जा रहा है।

टीम यह देख रही

सीएमएचओ डॉ. तिवारी ने बताया, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जिले में अलग-अलग स्थानों पर चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की डिग्री, चिकित्सा पद्धति, काउंसिल का पंजीयन, मप्र उपचार्य गृह एवं रूजोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम , गुमास्ता लाइसेंस की जांच की। कार्रवाई के डर से कई संचालकों ने अपने क्लीनिक्स बंद रखें। इन क्लीनिक्स पर विभाग की टीम नजर रख रही है। स्थानीय पुलिस, नगर निगम एवं प्रशासन का सहयोग भी लिया जा रहा है।

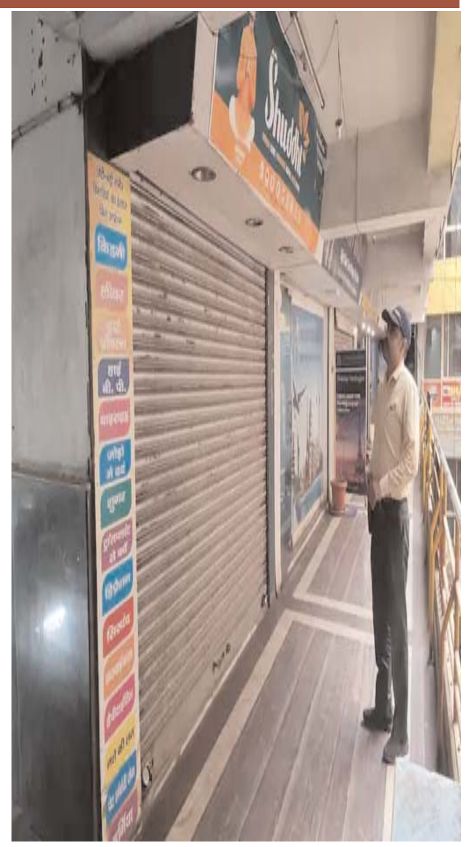

खंडवा जिले के ग्राम कोंडावत गांव में कुएंमें जहरीली गैस से दम घुटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कई लोगों के असामयिक निधन का समाचार पीड़ादायक है।
वीडी शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा मप्र

आलेख

बेलगाम फीस की वसूली- प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम कब लगेगी ?

प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस में बेलगाम बढ़ोतरी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों में मुनाफा कमाने का लालच इस कदर बढ़ता जा रहा है कि वे सारी सीमाओं को तोड़ते जा रहे हैं। स्कूल से जबरदस्ती महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने का मामला हो या फिर तय की गई दुकानों से ही घटिया क्वालिटी की ड्रेस ज्यादा कीमत पर खरीदने का दबाव हो, ऐसा लगता है कि इनपर कोई कानून या नियम लागू नहीं होता है। प्राइवेट स्कूलों की लॉबी इतनी ज्यादा मजबूत हो गई है कि अब इन्हें सरकारों का भी कोई भय नहीं रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के एक नामी-गिरामी स्कूल से ऐसी खबर आई जिसने सबको स्तब्ध कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली के एक बड़े स्कूल ने तो बच्चों को ही बंधक बना लिया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली के एक बड़े स्कूल में फीस बढ़ोतरी को लेकर वहां पढ़ने वाले बच्चों के अभिवावक प्रदर्शन कर रहे थे और इस बीच स्कूल के प्रबंधकों ने कुछ बच्चों को लाइब्रेरी में बंधक बना लिया। एक न्यूज चैनल ने तो यहां तक दावा किया है कि बच्चों को लाइब्रेरी में बंद करने के मामले की जांच साउथ वेस्ट डीएम लक्ष्य सिंहल ने की और उन्होंने यह भी माना कि जब वे जांच करने स्कूल पहुंचे तो उन्होंने खुद बच्चों को लाइब्रेरी में बैठे हुए पाया। डीएम ने जांच की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेज दी है। उम्मीद करते हैं कि दिल्ली की बीजेपी सरकार इस स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एक उदाहरण सेट करेगी ताकि भविष्य में कोई भी स्कूल इस तरह की हरकत करने के बारे में सोच भी नहीं सके। दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों के बाहर मनमानी फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिवावक प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं वसंतकुंज स्थित एक प्राइवेट स्कूल ने तो अभिभावकों के स्कूल परिसर में आने पर प्रतिबंध तक लगा दिया है। सही मायनों में कहा जाए तो यह स्कूलों की तानाशाही है और इस देश की सरकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कई तरह के सवाल खड़े करती है। देश की राजधानी दिल्ली में 1700 के लगभग प्राइवेट स्कूल हैं। इनमें सरकारी जमीन पर बने प्राइवेट स्कूल 448 हैं। सरकार द्वारा बनाए गए नियम के हिसाब से सभी स्कूलों को हर साल फाइनेंशियल स्टेटमेंट देना जरूरी होता है। अगर शिक्षा निदेशालय को फीस बढ़ोतरी गलत लगती है, तो वो इसे रोक सकती है और स्कूल को बढ़ी हुई फीस अभिवावकों को वापस देनी होगी। लेकिन सरकार चुप है, अधिकारी अपना काम नहीं कर रहे हैं और इसका नतीजा स्कूलों की मनमानी के रूप में सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों ने 10 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी है। ये स्कूल ट्यूशन फीस, डिवेलपमेंट फीस, ट्रांसपोर्ट फीस के अलावा ओरिएंटेशन फीस, एसी, स्कूल ऐप और स्मार्ट क्लास के नाम पर भी तगड़ी वसूली कर रहे हैं। दिल्ली की बीजेपी सरकार के लिए यह एक बड़ी चुनौती से कम नहीं है। क्योंकि उनकी सरकार बनने के बाद शुरू हुए स्कूलों के नए सत्र में ही यह फीस बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर दिल्ली के लोगों को यह लगने लगा है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद ही दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों के मालिकों में मनमानी करने की हिम्मत आ गई है। यह बात अगर दिल्लीवासियों के मन में बैठ गई तो फिर बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएगी। आम आदमी पार्टी इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश लगातार कर रही है। समय की यह मांग है कि सरकार आगे आए और इन प्राइवेट स्कूलों की दादागिरी, मनमानी और तानाशाही भरे रवैए पर रोक लगाए या फिर कड़ी कार्रवाई करें। हालांकि यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि प्राइवेट स्कूलों की यह मनमानी किसी एक शहर या किसी एक राज्य तक ही सीमित भर नहीं है।

संपादकीय

वर्तमान वैश्विक पटल पर भारत के लिए आपदा में अवसर हैं

अमेरिका ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्द एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यवस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया। बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधरियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था। कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है। भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी, नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी जी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों की जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक हुई।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

दमोह के फर्जी डॉक्टर का होगा पॉलीग्राफ टेस्ट

एसपी ने एसआईटी की गठित; हार्ट सर्जरी के बाद 7 मरीजों की गई थी जान

न्यूज क्राइम फाइल

दमोह के मिशन अस्पताल में 7 हार्ट मरीजों की मौत के मामले में जांच तेज हो गई है। एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने बताया कि आरोपी डॉक्टर नरेंद्र यादव उर्फ एनजॉन केम का पॉलीग्राफी टेस्ट कराया जाएगा। इसके लिए पीएचक्यू को पत्र लिखा है। एसपी ने मामले की जांच के लिए पांच अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। उन्होंने कहा कि पोलीग्राफ टेस्ट कोर्ट में सबूत नहीं माना जाता, लेकिन यह जांच को सही दिशा देने में मदद करेगा। पुलिस को प्रयागराज में आरोपी के घर से नकली दस्तावेज बनाने का सामान मिला है। कई आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं।

कानपुर में आरोपी के परिवार से पूछताछ

कानपुर में आरोपी के परिवार से पूछताछ में पता चला कि वह 1998 तक वहीं रहा। एमबीबीएस की पढ़ाई के बाद वह वहां से चला गया। स्कूल के रिकॉर्ड में उसका नाम नरेंद्र यादव और पिता का नाम गया बहादुर यादव दर्ज है। उसने निजी नौकरी करके अपनी पढ़ाई का खर्च उठाया था।

2013 में नोएडा में केस दर्ज हुआ था

जांच में एक और अहम जानकारी सामने आई है। 2013 में नोएडा के कैलाश अस्पताल में भी आरोपी के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों का केस दर्ज हुआ था। इसके बाद वह वहां से फरार हो गया। संभवत: इसी कारण उसने अपना नाम बदला। नोएडा पुलिस सोमवार तक संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करा देगी।

आरोपी ने जबलपुर और बिलासपुर में काम किया

सीएमएचओ से भी बात की गई है। एफआईआर में शामिल दो अन्य लोगों में किसके नाम जोड़े जाएंगे इसकी जानकारी सीएमएचओ बताएंगे अभी तक यह पता चला है कि आरोपी ने नरसिंहपुर, जबलपुर और बिलासपुर में काम किया है। लेकिन वहां पर इसका कोई भी विवादित रिकॉर्ड नहीं मिला है।

लड़की की आवाज में इंटिमेट बातें करता था आरोपी

वाइस चेंजर एप से एनआरआई से की 2 करोड़ 68 लाख की ठगी, कैमरा ऑन होने पर हुआ खुलासा

न्यूज क्राइम फाइल

एनआरआई के साथ 2 करोड़ 68 लाख की ठगी करने वाले इंदौर के आरोपियों ने चौंकाने वाले बात सामने लाई है। इस खुलासे से इंदौर पुलिस भी आश्चर्य में पड़ गई। आरोपी विशाल जेसवानी लड़की की आवाज में हृष्ठ वेंकट से रात में इंटिमेट बातें करता था। लड़की की आवाज निकालने के लिए उसने फीमेल वाइस ट्रांसलेट एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया। वीडियो कॉल पर भी बात करने के दौरान वह इस एप्लिकेशन का इस्तेमाल करता, लेकिन अपनी तरफ का बंद रखता था। एक रात वीडियो कॉल पर कैमरा ऑन हो गया तो उनके इस ठगी का भंडाफोड़ हो गया।

पहले जानिए क्या है पूरा मामला

आंध्र प्रदेश का रहने वाला वेंकट कलगा नामक युवक वर्तमान में अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में जॉब करता है और हृष्ठ है। वेंकट ने क्राइम ब्रांच को शिकायत की कि भारत मेट्रोमोनियल साइट पर अज्ञात व्यक्तियों ने इंस्टाग्राम मॉडल गर्ल के फोटो अपलोड कर प्रोफाइल बनाकर शादी की बात की। बातचीत के दौरान मोबाइल नंबर शेयर करे। वॉट्सऐप के जरिए चैटिंग और कॉल पर बात की। भरोसा दिलाया, जिसके बाद अलग-अलग बहाने बनाकर किश्तों में 2 करोड़ 68 लाख रुपए ठग लिए। क्राइम ब्रांच ने शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू की। इस पड़ताल में पुलिस के हाथ आरोपी विशाल जेसवानी और उसकी बहन सिमरन तक पहुंचे। क्राइम ब्रांच ने विशाल को अहमदाबाद से तो सिमरन को इंदौर से गिरफ्तार कर लिया। सिमरन ने 2023 में मेट्रोमोनियल वेबसाइट पर इंस्टाग्राम से मॉडल की फोटो कॉपी कर प्रोफाइल बनाई। उस प्रोफाइल पर शादी के लिए वेंकट से चैटिंग की और मोबाइल नंबर ले लिए। वॉट्सऐप पर चैटिंग करते हुए खुद को बरखा जेसवानी बताया। बातचीत बढ़ने लगी। बात गहरी होने पर आरोपी ने वेंकट को अपने जाल में फंसाना शुरू किया।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

गर्मी का मौसम आ गया है; सभी प्रदेशवासियों से आग्रह है कि अपने घर के आसपास, छत, आँगन या बरामदे में पशु-पक्षियों के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था कर मानव धर्म निभाएं।
मोहन यादव- सीएम मप्र

‘पुलिस भर्ती में पास होकर भी खेत मजदूरी करती हूं’

युवती बोली- 13 प्रतिशत ओबीसी पद होल्ड होने से नहीं मिली नौकरी; सब ताने मारते हैं

न्यूज क्राइम फाइल

शादी के 4 साल हो गए। ससुराल वालों ने पढ़ाई के लिए दो साल दिए थे। पुलिस भर्ती परीक्षा भी पास कर ली, लेकिन नौकरी नहीं मिली। अब लोग पूछते हैं कि तुम्हारी नौकरी का क्या हुआ, मैं क्या बताऊं? अब हार गई हूं। अब और नहीं सहा जाता। मजदूरी करने से खुरदुरे हो चुके अपने हाथ दिखाते हुए वर्षा लोधी इमोशनल हो जाती है। शिवपुरी जिले की रहने वाली वर्षा मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती- 2023 की परीक्षा में शामिल हुई थी। उसका रिजल्ट सरकार के 87-13 फॉर्मूले में फंस गया। वो इकलौती नहीं है, जो ये तकलीफ झेल रही है। मध्यप्रदेश के सैकड़ों युवाओं की कहानी ऐसी ही है। इन युवाओं ने 11 मार्च को भोपाल में ओबीसी महासभा के बैनर तले प्रदर्शन किया। देवेंद्र प्रजापति भी इस प्रदर्शन में शामिल हैं। वे भिंड से भोपाल आए हैं। पिता जी मजदूरी करके पढ़ाते हैं। देवेंद्र 3 भाई और दो बहने हैं। घर में कमाने वाले सिर्फ उनके पिता हैं। दिनभर में 300-400 रुपए कमा पाते हैं। इतने में ही पूरे परिवार का खर्चा चलाना पड़ता है। देवेंद्र कहते हैं कि पापा इतनी मुश्किलों से पढ़ाते हैं। घर में दो बहनें हैं, नौकरी लग जाती तो उनकी शादी कर देता। छोटे भाइयों को भी अच्छी शिक्षा दिला लेता, लेकिन अब ये मुश्किल लग रहा है। राकेश भी इसी प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आए हैं। 2018 से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। दो बार आर्मी की मेरिट लिस्ट से बाहर हो गए। उम्र बढ़ी तो एमपी पुलिस की नौकरी में हाथ आजमाया और खूब मेहनत की। नतीजतन मप्र पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा- 2023 में लिखित और फिजिकल दोनों में अच्छे नंबर आए लेकिन रिजल्ट होल्ड हो गया। घर में राकेश के अलावा बड़ों में सिर्फ उनकी बूढ़ी दादी हैं। मां बचपन में ही गुजर गई थीं। पिता जी 2015 में चल बसे। राकेश की शादी हो गई है। घर में उनकी दादी के अलावा पत्नी और एक बच्चा है।

ओबीसी आरक्षण पर क्या है विवाद

दरअसल, मार्च 2019 में तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने 2019 में ओबीसी वर्ग का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया था। इसके बाद विधानसभा में इससे संबंधित विधेयक पारित कर दिया गया। 2 सितंबर 2021 को सामान्य प्रशासन विभाग ने ओबीसी को भर्ती में 27 फीसदी आरक्षण देने का सर्कुलर जारी किया था। इसके खिलाफ यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन हाईकोर्ट गया। 4 अगस्त 2023 को हाईकोर्ट ने सरकार के सर्कुलर पर रोक लगा दी।

कोर्ट ने 27 फीसदी आरक्षण पर रुख किया साफ

27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट से निरस्त हो चुकी है। ऐसे में न केवल 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का बल्कि भर्तियों में 13 प्रतिशत होल्ड पद अनहोल्ड करने का रास्ता भी साफ हो गया है। लिहाजा, अब यह सरकार पर है कि प्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देना है या नहीं। 6 फरवरी 2025 को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैथ और न्यायाधीश विवेक जैन की संयुक्त बेंच ने 27त्न ओबीसी आरक्षण के कानून का पालन करने का आदेश देते हुए कहा था कि 27त्न ओबीसी आरक्षण पर किसी प्रकार की रोक नहीं है। उस आदेश के खिलाफ यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई थी।

सौजन्य भेंट

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भोपाल आगमन पर देश के यशस्वी गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी मुख्यमंत्री निवास पर आत्मीय स्वागत-अभिनन्दन किया।

मां दुर्गा का आशीर्वाद भक्तों के जीवन में नई ऊर्जा और नया संकल्प लेकर आता है। अनुराधा पौडवाल जी का ये देवी भजन आपको भक्ति भाव से भर देगा।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

विनेश फोगाट ने 4 करोड़ रुपए का ऑफर स्वीकारा

प्लाट या सरकारी नौकरी नहीं ली; हरियाणा सीएम ने रेसलर को 3 चॉइस दी थी

न्यूज क्राइम फाइल

कांग्रेस एमएलए रेसलर विनेश फोगाट ने हरियाणा की भाजपा सरकार का 4 करोड़ रुपए लेने का ऑफर स्वीकार कर लिया है। सरकार की तरफ से उन्हें तीन च्वाइस दी गई थी- सरकारी नौकरी या प्लाट या 4 करोड़ कैश। इसमें से विनेश ने 4 करोड़ कैश अवॉर्ड को लेकर सहमति दी है। हालांकि विनेश फोगाट ओलिंपिक से बिना मेडल ही देश लौटी थीं। बाद में वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर विधायक बन गई हैं। कैश अवॉर्ड को लेकर विनेश फोगाट का सहमति का पत्र खेल विभाग को मिल चुका है। उन्हें राशि देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बता दें कि विनेश 2024 के पेरिस ओलिंपिक में फाइनल मुकाबले तक पहुंची थीं। हालांकि 100 ग्राम बढ़े वजन की वजह से वह फाइनल मुकाबला खेलने से पहले ही बाहर हो गईं। जिसके बाद सीएम नायब सैनी ने विनेश का सिल्वर मेडलिस्ट जैसा सम्मान करने का ऐलान किया था। हालांकि जब कुछ नहीं मिला तो विनेश ने विधानसभा के बजट सत्र में कहा था कि सरकार ने उन्हें सिल्वर मेडल के बराबर सम्मान देने घोषणा की थी। 8 माह बीत गए लेकिन कुछ नहीं मिला। जिसके बाद सीएम नायब सिंह सैनी ने कैबिनेट मीटिंग के बाद राज्य की 2019 की कैश अवॉर्ड की खेल पॉलिसी के अनुसार विनेश को सरकारी

नौकरी या प्लाट या 4 करोड़ का कैश अवॉर्ड में से कोई एक विकल्प चुनने का ऑफर दिया था।

विनेश को 4 करोड़ मिलने का रास्ता कैसे बना ?

इसी साल मार्च में विधानसभा का बजट सत्र था। तब विनेश ने कहा- जब मैं पेरिस गई तो फाइनल में पहुंची। उसके बाद जो हुआ वो परमात्मा की मर्जी थी, और मैंने उसे स्वीकार कर लिया है। उस समय हमारे सीएम ने ऐलान किया था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे सिल्वर मेडल का सम्मान दिया जाएगा। आज सदन में आप भी बैठे हैं, मैं भी बैठी हूं। लोगों को पता होना चाहिए कि सच्चाई क्या है। आपने अपना वादा पूरा नहीं किया है। सर, आपके सभी विधायक बोल रहे हैं कि आपकी जुबान मतलब वादा पक्का। मैं आपको वही दिखा रही हूं कि आपका वादा अधूरा है और आपको पूरे सदन के सामने यह बताना चाहिए। आपने जो सम्मान देने की बात की थी वह हमें अच्छा लगा था। सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा था। यह बात पैसे की नहीं है, सम्मान की है। प्रदेश में मुझे कई लोग बोलते हैं कि आपका तो कैश अवॉर्ड आ गया, तो मैंने उन्हें कहती हूं कि न आपका आया, न मेरा आया। हम मिलकर लड़ाई लड़ेंगे।

सीएम सैनी ने कैबिनेट मीटिंग बुलाई, 3 ऑफर दिए

विनेश के मुद्दा उठाए जाने के बाद श्रूनायब सैनी ने बजट सत्र के बीच 25 मार्च को कैबिनेट मीटिंग की। जिसके बाद विनेश फोगाट को सिल्वर मेडलिस्ट जैसे सम्मान के तौर पर 3 चॉइस दी थीं। जिसमें नौकरी के साथ 4 करोड़ कैश या हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से प्लॉट का भी ऑफर दिया गया। हालांकि विनेश ने इसको लेकर कभी खुलकर कुछ नहीं कहा। इसके बाद खेल मंत्री गौरव गौतम ने भी विनेश फोगाट को चुप्पी तोड़ सरकार के दिए ऑफर में जल्द से जल्द किसी एक का चयन करने की सलाह दी थी।

एक दिन में 3 पहलवानों को हराया, वजन बढ़ने पर अयोग्य करार

विनेश फोगाट ने 50 किग्रा वेट कैटेगरी में 6 अगस्त 2024 को 3 मैच खेले। प्री-क्वार्टर फाइनल में टोक्यो ओलिंपिक की चैंपियन यूई सुसाकी, क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन और सेमीफाइनल में क्यूबा की रेसलर को पटखनी दी। विनेश फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनी थीं।

टीवी, फ्रिज, स्मार्टफोन सस्ते हो सकते हैं

चीनी मैन्युफैक्चरर्स भारत को 5 प्रतिशत डिस्काउंट दे रहे, इसकी वजह चीन-अमेरिका का ट्रेड वॉर

न्यूज क्राइम फाइल

टैरिफ के कारण अमेरिका-चीन के बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच कई चीनी इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स भारतीय कंपनियों को 5 प्रतिशत तक की छूट ऑफर कर रहे हैं। ऐसे में इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स मांग को बढ़ाने के लिए इस डिस्काउंट का कुछ हिस्सा कंज्यूमर को पास कर सकते हैं। इस कदम से भारत में टीवी, फ्रिज, स्मार्टफोन जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक्स सामान सस्ते हो सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

चीनी मैन्युफैक्चरर्स को डिमांड कम होने की चिंता

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रेड वॉर से अमेरिका में चीन से आने वाला सामान महंगा हो जाएगा, इससे डिमांड में कमी आ सकती है। डिमांड की कमी की चिंता चीनी कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स पर दबाव बढ़ा रही है। ऐसे में डिमांड को बढ़ाने के लिए ये मैन्युफैक्चरर्स भारतीय कंपनियों को डिस्काउंट दे रहे हैं। चीन से भारत सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात

करता है। इसमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, टेलीविजन, पावर सप्लाइज और इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट्स शामिल हैं। 2022 में इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात की वैल्यू 30.63 बिलियन डॉलर थी। चीन से भारत सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात करता है। इसमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, टेलीविजन, पावर सप्लाइज और इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट्स शामिल हैं। 2022 में इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात की वैल्यू 30.63 बिलियन डॉलर थी।

टैरिफ बढ़ने से चीनी सामान अमेरिका में महंगा हो जाएगा

चीन पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने का आसान भाषा में मतलब है कि चीन में बना 100 डॉलर का सामान अब अमेरिका में जाकर 225 डॉलर का हो जाएगा। अमेरिका में चीनी सामानों के महंगे होने से उनकी डिमांड घटेगी और बिक्री कम हो जाएगी। वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने चीन पर लगाए गए टैरिफ के बाद कहा- जब आप अमेरिका पर प्रहार करेंगे, तो राष्ट्रपति ट्रम्प और अधिक प्रहार करेंगे। अमेरिका और चीन बातचीत की मेज पर इस ट्रेड वॉर को खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहते हैं। हालांकि एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की वाइस प्रेसिडेंट और अमेरिकी की पूर्व ट्रेड ऑफिशियल वेंडी कटलर ने कहा, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में गतिरोध के कारण यह आसान रास्ता नहीं होगा। चीन सौदेबाजी में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है।

देश ने तीन बार मोदी सरकार चुनी है और अगले तीन बार भी भाजपा की ही सरकार आने वाली है।

केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

गुना में दिग्विजय सिंह को गद्दार बताने वाले पोस्टर लगे

भाजपा युवा मोर्चा ने वतन, पूर्वजों और धर्म का गद्दार बताया; कांग्रेस ने आपत्ति ली

न्यूज क्राइम फाइल

गुना में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने जगह-जगह प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के पोस्टर लगाए हैं, जिसमें उन्हें %गद्दार% बताया है। युवा मोर्चा ने यह पोस्टर वक्फ बिल का विरोध करने पर लगाए हैं। गुना के अलावा इंदौर, रतलाम सहित और भी जिलों में पोस्टर लगाए गए हैं। कांग्रेस ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग और नफरत फैलाने की साजिश बताया है।

कई चौराहों पर लगे विवादित पोस्टर

गुना के हनुमान चौराहा, तेलघानी और जयस्तंभ चौराहा समेत अन्य सार्वजनिक स्थलों पर दिग्विजय सिंह के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों में लिखा गया कि वक्फ बिल का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह, मध्यप्रदेश, वतन के, धर्म के, पूर्वजों के गद्दार। भारतीय जनता युवा मोर्चा, गुना।

दोनों सदनों से पास हुआ वक्फ संशोधन विधेयक

पिछले हफ्ते लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक लाया गया, जिसे बहुमत से पारित किया गया। इसके बाद यह राज्यसभा में भी पास हो गया। राष्ट्रपति की मंजूरी के दो दिन बाद यह कानून लागू हो गया। कांग्रेस ने इस विधेयक का संसद और सड़क दोनों स्तर पर विरोध किया। दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में

इस बिल का खुला विरोध किया था, जिसके बाद वे भाजयुमो के निशाने पर आ गए।

कांग्रेस ने इसे 'नफरत की राजनीति' बताया

एमपी कांग्रेस ने इन पोस्टरों को आपत्तिजनक बताया है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा कि संकीर्ण और नफरती सोच वाले भाजपा के शरारती तत्वों ने इंदौर के महू नाका चौराहा पर राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का आपत्तिजनक पोस्टर लगाया है। पोस्ट में आगे लिखा था कि सच यह है कि इस तरह की अनैतिक लड़ाई वही लड़ते हैं, जो सच से डरते हैं और जनता के बीच लगातार झूठ और भ्रम फैलाने का व्यापार करते हैं! भाजपा के इस गंदे कारोबार का हिस्सा अब देश का सबसे स्वच्छ शहर भी बन गया है! अभिव्यक्ति की आजादी का यह खुला दुरुपयोग फिर एक सबूत के रूप में सामने है जो बता रहा है कि भाजपा को संवैधानिक मूल्यों व लोकतांत्रिक मान्यताओं में विश्वास नहीं है! यही भाजपा का असली चेहरा और चरित्र है।

कांग्रेस मीडिया सलाहकार बोले- दिग्विजय सिंह नाम ही काफी है

कांग्रेस मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि देश और आजादी के आंदोलनों के गद्दारों द्वारा लगाए गए पोस्टर कांग्रेस पार्टी और उसकी विचारधारा को लेकर लड़ने वाले हमारे संघर्षशील-वैचारिक योद्धा दिग्विजय सिंह के कद, व्यक्तित्व और कृतित्व को बदल नहीं सकते, इन्हें आज भी सपनों में दिग्विजयसिंह जी ही दिखाई देते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि पूरा विश्व इस वाजिब तथ्य से वाकिफ है कि संख्या बल के कारण पारित वक्फ बिल को लेकर कांग्रेस पार्टी ने संसद, राज्यसभा और सड़क पर भी अपना विरोध दर्ज कराया है, जो आज भी जारी है, पार्टी ने इसके लिए बाकायदा व्हिप भी जारी की, फिर निशाने पर माननीय दिग्विजयसिंह जी ही क्यों। पोस्टर में जिस BJYM का जिक्र किया गया है, वह तो प्यादा है, इसके असली साजिशकर्ता तो संघ, भाजपा और महाराजा हैं, इन सभी की आखों की किरकिरी दिग्विजयसिंह जी ही हैं, थे और रहेंगे भी। इन सभी का चरित्र भी सदैव पीठ के पीछे ही छूरा घौंपने वाला रहा है, दिग्विजयसिंह जी का तो नाम ही दिग्विजय है। हिम्मत है सामने से वार कीजिए।

एनआरआई से करोड़ों की ठगी करने वाले भाई-बहन पकड़ाए : ठगी के रुपए से लोन चुकाया, घर-कार खरीदी, गारमेंट शॉप भी डाल ली

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर क्राइम ब्रांच ने पौने तीन करोड़ रुपए की ठगी के मामले में इंदौर के एक भाई-बहन को पकड़ा है। दोनों ने मेट्रोमोनियल साइट पर एक एनआरआई को शादी का झांसा देकर ठगी की थी। इस मामले में अभी पूछताछ की जा रही है। अमेरिका की एक कंपनी में काम करने वाले इंदौर निवासी वेंकटराव कलगा ने अप्रैल 2025 में डीसीपी राजेश त्रिपाठी से शिकायत की थी। इसके अनुसार उन्होंने भारतीय मेट्रोमोनियल साइट पर शादी के लिए लड़की पसंद की थी। उसकी आईडी बरखा जेसवानी के नाम से थी। बरखा ने उन्हें धोखे में रखते हुए करीब 2 करोड़ 68 लाख रुपए ठग लिए। इस मामले में क्राइम ब्रांच लगातार जांच कर रही थी। आरोपियों ने वेंकटराव से अलग-अलग अकाउंट में पैसे डलवाए थे। टीम ने बैंक ट्रांजेक्शन की जानकारी निकालकर सगे भाई बहन सिमरन और विशाल जेसवानी को पकड़ा। आरोपियों ने फर्जी अकाउंट खोलने के बाद वेंकटराव को

झांसे में लेकर उसके साथ ठगी की वारदात की थी। आरोपियों में से एक को इंदौर, जबकि दूसरे को अहमदाबाद से पकड़ा गया है।

लोन चुकाया, घर और कार ली

डीसीपी ने बताया कि आरोपियों ने ठगे गए रुपए से आलीशान घर, कार खरीदा और कपड़े की एक दुकान खोल ली थी। इसके साथ ही अपना पुराना लोन भी ठगी की रकम से चुकाया था। पूछताछ में दोनों ने वेंकट से ठगी करना कबूली है। अब आरोपियों से जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी पूर्व में भी एक मामले में जेल जा चुके हैं।

बड़वानी में बिना टैक्सी परमिट दौड़ रही सरकारी गाड़ियां

न्यूज क्राइम फाइल। बड़वानी जिले में सरकारी अधिकारियों पर ट्रैफिक नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। जिला मुख्यालय के कई कार्यालयों में अधिकारियों के लिए ठेके पर लगाए गए वाहन बिना टैक्सी परमिट के संचालित हो रहे हैं। इसमें पुलिस अधीक्षक, वन विभाग के डीएफओ, एडीएम, डिप्टी कलेक्टर, एसडीओ और एसडीओपी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों की गाड़ियां बिना टैक्सी परमिट के सड़कों पर दौड़ रही हैं। इससे न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि परिवहन विभाग को प्रतिमाह लाखों रुपए का राजस्व नुकसान भी हो रहा है। शासनादेश के अनुसार, वित्त विभाग की मंजूरी और परिवहन विभाग से टैक्सी परमिट लेने के बाद ही वाहनों को सरकारी विभागों में लगाया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्रालय में हमारे साथी श्री @SethSanjayMP के निवास पर आयोजित सरहुल महोत्सव में सम्मिलित हुआ। प्रकृति की उपासना के प्रति समर्पित यह उत्सव भारत की समृद्ध आदिवासी संस्कृति से हम सबको जोड़ता है।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

रीवा में प्रॉपर्टी डीलर को ढाई घंटे डिजिटल अरेस्ट किया

वर्दी पहने आरोपी ने बैंक घोटाले का डर दिखाया; शक होने पर ट्रांसफर नहीं किए रुपए

न्यूज क्राइम फाइल

रीवा के समान थाना क्षेत्र में एक बार फिर डिजिटल अरेस्ट का मामला सामने आया है। बदमाशों ने खुद को दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए एक प्रॉपर्टी डीलर को 680 करोड़ के बैंक घोटाले में फंसाने का प्रयास किया। हालांकि, पीड़ित की सतर्कता के कारण वह धोखाधड़ी का शिकार होने से बच गया। मंगलवार को अरुण नगर निवासी संजीव श्रीवास्तव को एक वीडियो कॉल आई, जिसमें पुलिस वर्दी में कुछ लोगों ने खुद को दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। आरोपियों ने संजीव को बताया कि उनके खाते में 680 करोड़ के बैंक घोटाले की राशि आई है और उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया है। इसके

बाद उन्होंने गारंटी के तौर पर पैसे भेजने की मांग की।

सतर्कता बरतने पर शिकार होने से बचे

संजीव ने सतर्कता बरतते हुए पैसे भेजने से इनकार कर दिया और फोन काट दिया। करीब दो घंटे तक चले इस प्रकरण के बाद उन्होंने गुरुवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में एफआईआर दर्ज की है।

साइबर सेल को सौंपा मामला

सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी ने बताया कि मामले को साइबर सेल को सौंप दिया गया है और आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है। बढ़ते डिजिटल अरेस्ट के मामलों को देखते हुए पुलिस ने जिले में जागरूकता अभियान चलाया है। इसी जागरूकता के कारण लोग ऐसी धोखाधड़ी से सतर्क हो गए हैं और कई लोग इस तरह के अपराधों का शिकार होने से बच रहे हैं।

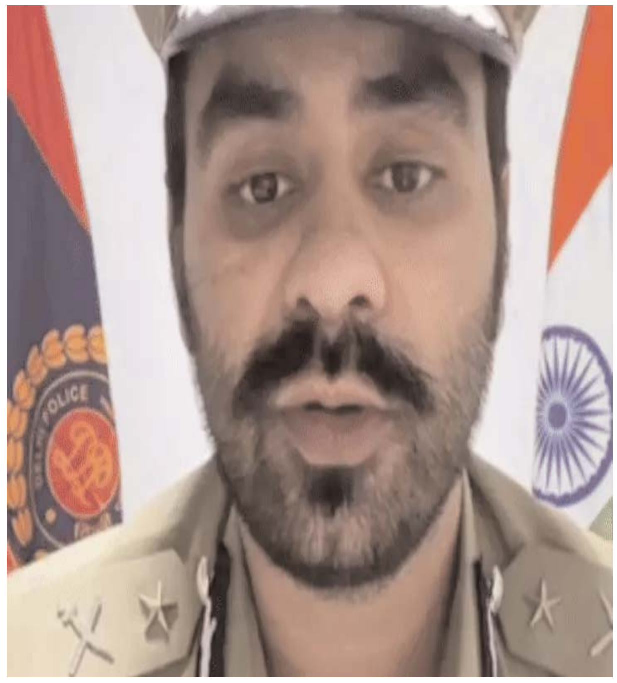

प्रेमी के साथ मिलकर पिता को कुल्हाड़ी से काटा

बेटी ने चाय में नींद की गोली देकर हत्या की; प्रेम प्रसंग से खुश नहीं थे पिता

रामबाई, आरोपी

न्यूज क्राइम फाइल

पन्ना में बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। पहले चाय में नींद की गोली मिलाकर पिलाई, फिर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। घटना 8 अप्रैल मंगलवार रात की है। पुलिस ने गुरुवार को आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। धरमपुर थाना प्रभारी बलबीर सिंह ने बताया ग्राम रमजूपुर में रहने वाले रामकेश यादव की बेटी रामबाई (30) का राजू डुमार (35) से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों तीन साल से एक-दूसरे को पसंद करते थे। पिता रामकेश पता चला तो उन्होंने इसका विरोध किया। बेटी को प्रेमी से दूर रहने की हिदायत दी। इसके बाद आरोपियों ने रामकेश को रास्ते से हटाने का प्लान किया। मंगलवार की रात को रामबाई ने पिता को चाय में नींद की गोली मिलाकर दी। पिता को नींद लगते ही उसने प्रेमी को घर बुलाया। राजू ने आंगन में सो रहे रामकेश यादव पर कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस के सामने रोने का नाटक करती रही आरोपी

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। यहां रामबाई पुलिस के सामने रोती-बिलखती रही। पुलिस ने जानकारी ली तो उसने गुमराह करने की कोशिश की। उसकी बातों से पुलिस को शक हो गया। इसके बाद रामबाई से सख्ती से पूछताछ की। रामबाई ने पुलिस को बताया, मैं चाची के साथ रात करीब 12 बजे महुआ बीनने जंगल गई थी। बुधवार सुबह लौटने पर देखा कि पिता चारपाई पर खून से लथपथ पड़े हैं। गर्दन पर धारदार हथियार से किए गए वार के निशान थे। पुलिस को रामबाई पर शक हुआ तो सख्ती बरती, जिसमें उसने प्रेमी के साथ हत्या करना कबूल कर लिया। आरोपी राजू डुमार पुलिस को बताया, मैं और रामकेश यादव एक साथ पंचमपुर भाट के पहाड़ों में बकरियां चराते थे। वहीं रामकेश की बेटी रामबाई अक्सर पिता को खाना देने आती थी। इसी दौरान रामबाई से उसकी दोस्ती हो गई। रामकेश हमारे रिश्ते से खुश नहीं थे, इसलिए उनकी हत्या कर दी।

स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल पर जानलेवा हमला

न्यूज क्राइम फाइल। खरगोन में स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल पर पूर्व छात्र ने साथियों के साथ जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने पहले टेबल ग्लास से वार किए। बाद में टूटा कांच भी मारा। प्रिंसिपल के सिर पर गंभीर चोट आई है। उन्हें पांच टांके लगे हैं। घटना टेमला के सीएम राइज स्कूल में शुक्रवार की है। प्रिंसिपल अशोक सिंह पवार ने बताया कि स्कूल में मरम्मत का काम चल रहा था। तभी पूर्व छात्र अपने साथियों के साथ आया और छात्राओं से छेड़छाड़ के पुराने मामले में समझौते का दबाव बनाने लगा था। पुलिस के अनुसार, मेनगांव थाने में छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला सितंबर में दर्ज हुआ था, जो अभी विचाराधीन है। इसी मामले में समझौते का दबाव बनाने आए साढ़े 17 वर्षीय छात्र ने यह हमला किया। पुलिस ने छात्र उसके साथी और एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉ. कुंदन सिसोदिया ने बताया प्राचार्य के सिर में पांच टांके लगे हैं। सीटी स्कैन कराया जा रहा है, जिससे चोट की गंभीरता का पता चल सकेगा। फिलहाल उन्हें निगरानी में रखा गया है। एसपी धर्मराज मीणा ने बताया कि तीन युवकों ने टेमला स्कूल प्राचार्य से मारपीट की है। आपराधिक प्रकरण दर्ज हुआ है। प्राचार्य का मेडिकल कराया है। रिपोर्ट पर तीनों पर केस दर्ज कर लिया है। उन्हें कोर्ट पेश कर रहे है। पूर्व के विवाद को लेकर पहले आपस में बहस हुई। वे राजीनामा करने के लिए दबाव बना रहे थे। इस दौरान वाद विवाद में यह घटना हुई है।

मोदी सरकार की वन अधिकार अधिनियम की उपेक्षा से लाखों आदिवासी परिवार अपनी पारंपरिक ज़मीन से बेदखली के कगार पर हैं।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

पिता को इंसाफ दिलाने बेटा बना वकील

भ्रष्टाचार के झूठे आरोप में कॉन्स्टेबल की नौकरी से निकाला था; 12 साल बाद बेटे ने दिलाई वर्दी

न्यूज क्राइम फाइल

मेरे लिए वो बेहद भावुक पल था, जब मैं जबलपुर से अपने घर पहुंचा। मेरे पापा ने माला पहनाकर मेरा स्वागत किया। 12 साल तक मेरे परिवार ने जो संघर्ष किया, उसकी एक- एक तस्वीर रील बनकर एक बार फिर मेरी आंखों के सामने से गुजर गई थी। इस एक फैसले ने मेरे पूरे परिवार की आंखों में खोई हुई चमक लौटा दी। ये कहते हुए अभिषेक पाण्डे की आंखें नम हो जाती हैं। दरअसल, अनूपपुर के रहने वाले अभिषेक ने कॉन्स्टेबल पिता मिथिलेश पाण्डे को इंसाफ दिलाया है। अभिषेक ने न केवल हाईकोर्ट में पिता की बर्खास्तगी का केस लड़ा, बल्कि ये भी साबित किया कि उन्हें भ्रष्टाचार के जिन आरोपों के चलते बर्खास्त किया गया था, वे सारे झूठे थे। 4 अप्रैल को जबलपुर हाईकोर्ट ने उनकी बहाली के आदेश दिए। अब मिथिलेश पाण्डे को उमरिया में कॉन्स्टेबल पद पर नियुक्ति दी गई है। पिता को इंसाफ दिलाने के लिए अभिषेक ने पुलिस अफसर बनने का सपना छोड़कर वकालत की पढ़ाई की। इन 12 सालों में पाण्डे परिवार को परेशानियों के दौर से गुजरना पड़ा।

पहले जानिए, मिथिलेश पाण्डे को क्यों बर्खास्त किया गया था?

अभिषेक कहते हैं- पापा अनूपपुर पुलिस लाइन में कॉन्स्टेबल के पद पर थे। उनके खिलाफ दो शिकायतें की गई थीं। पहली शिकायत ये थी कि उन्होंने बिना विभाग को सूचना दिए प्लॉट खरीदा है। उसकी कीमत 1.8 लाख रुपए थी। दूसरी शिकायत एक गुमनाम चिट्ठी से भेजी गई थी। जिसमें कहा गया था कि मिथिलेश पाण्डे एक ट्रांसपोर्ट कंपनी चलाते हैं, उनके पास आय से ज्यादा संपत्ति है। जिस वक्त ये शिकायत हुई, उस समय पापा की तबीयत बहुत खराब थी। तत्कालीन एसडीओपी ने उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया था, लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से वो नहीं जा सके। इसके बाद एकतरफा कार्रवाई करते हुए पहले उन्हें सस्पेंड किया और फिर 2013 में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया।

तीन साल में बदल गई पूरी जिंदगी

अभिषेक कहते हैं- पापा पुलिस महकमे में कॉन्स्टेबल की पोस्ट पर थे। मैं देखता था कि वे अपने आला अधिकारियों को सैल्यूट ठोंकते थे। मेरी उम्र 12 साल थी और मैं सातवीं में पढ़ता था। तब मैंने तय किया कि मैं थाना इंचार्ज यानी टीआई बनूंगा। लेकिन जिंदगी में आप जैसा सोचते हैं, वैसा हो जाए ये मुश्किल होता है। तीन साल बाद जब मैं दसवीं क्लास में था, तब पापा को टर्मिनेट कर दिया गया। उस वक्त मुझे यही समझ नहीं आया कि ये टर्मिनेशन क्या होता है? जब मैं 12वीं क्लास में पहुंचा, तब मुझे इसका मतलब समझ आया। मैं देखता था कि पापा इंसाफ के लिए अफसरों के एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर तक चक्कर काटते थे। तब मैंने पुलिस अफसर बनने का सपना छोड़ा और तय किया कि मैं खुद वर्दी नहीं पहनूंगा, मगर पापा की खोई वर्दी वापस दिलाऊंगा। वकील बनूंगा।

क्लास वन अफसर की नौकरी छोड़ वकालत चुनी

अभिषेक बताते हैं- एलएलबी करने के बाद मैंने सिविल जज की तैयारी शुरू की, लेकिन उसकी पोस्ट ही नहीं निकली। तब मैंने सहायक लोक अभियोजन अधिकारी की परीक्षा पास कर ली, लेकिन मैं इंटरव्यू देने नहीं गया। मैं यदि इंटरव्यू भी क्लियर कर लेता तो सरकारी अफसर बन जाता। मैं अपने गोल से भटक जाता। मैंने सबकुछ छोड़कर हाईकोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की।

केस में बहस के दौरान हाथ-पैर कांप रहे थे

अभिषेक बोले- मैंने जब ये केस अपने हाथ में लिया तो मुझे एक फिल्म का डायलॉग याद आ गया था कि अगर एक डॉक्टर अपनी बेटी का ऑपरेशन करेगा तो उसके हाथ कांपेंगे। मेरे साथ भी यही हुआ। मैं बहुत ज्यादा प्रेशर में था। यदि बहस के दौरान मेरा कोई तर्क या पॉइंट गलत साबित हो जाता तो ये गलती मेरे पापा पर भारी पड़ने वाली थी। मैंने पूरे केस की स्टडी की। सबसे अच्छी बात थी कि जज बहुत को-ऑपरेटिव थे।

भाई की पढ़ाई छूटी, मुझे स्कूल बदलना पड़ा

अभिषेक बताते हैं- पापा के टर्मिनेशन के बाद हम सभी लोगों की जिंदगी बदल गई थी। मैं भोपाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। पापा की नौकरी छूटी तो आर्थिक स्थिति खराब हो गई। आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों का रवैया तक बदल गया। मेरे क्लासमेट मुझे चिढ़ाते थे। जिस स्कूल में पढ़ता था, वहां फीस भी ज्यादा थी। सबसे ज्यादा नुकसान मेरे भाई का हुआ। वह बीटेक कर चुका था। एमटेक करने के लिए गेट एग्जाम की तैयारी कर रहा था, लेकिन आर्थिक तंगी की वजह से उसने पढ़ाई छोड़ दी। नौकरी करने लगा। पापा ने भी अपने एक मित्र के ऑफिस में ट्रांसपोर्ट मैनेजर की नौकरी शुरू कर दी। ग्रेजुएशन के समय से ही मैंने भी छोटी कंपनियों में टेम्परेरी जॉब करना शुरू कर दिया था। ग्रेजुएशन के दूसरे साल से मैंने घर से पैसा नहीं मांगा। अपनी फीस से लेकर किराया, खाना सबकुछ खुद नौकरी कर भरा।

वक्फ बिल के विरोध में प्रदर्शन की अनुमति निरस्त

भोपाल में मोती मस्जिद सड़क पर किया प्रोटेस्ट, भारी संख्या में फोर्स तैनात

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में शुक्रवार को मध्य प्रदेश मुस्लिम त्योहार कमेटी द्वारा वक्फ बिल के विरोध में आयोजित विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली। इसके चलते प्रदर्शन मोती मस्जिद सड़क पर किया गया। प्रदर्शन के मद्देनज़र पुलिस की भारी तैनाती देखी गई, साथ ही रैपिड एक्शन फोर्स भी मौके पर मौजूद रही। नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोग इकबाल मैदान क्षेत्र में एकत्रित हुए, लेकिन जब उन्हें प्रदर्शन की अनुमति रद्द होने की जानकारी मिली तो वे लौट गए। बाद में कमेटी के कुछ सदस्यों ने मोती मस्जिद के पास स्थित सड़क पर प्रदर्शन किया। जिसमें करीब 50 से 60 लोग ही शामिल हुए। कमेटी के प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रदर्शन की अनुमति उन्हें पहले दी गई थी, लेकिन अचानक रात में रद्द कर दी गई। वहीं, पुलिस का कहना है कि इकबाल मैदान में लंबे समय से किसी भी तरह के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान वक्फ बिल के विरोध में पोस्टर दिखाए और संविधान की प्रति लेकर प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश मुस्लिम त्योहार कमेटी ने प्रशासनिक रवैए पर नाराज़गी जताई और कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है। हमें जानकारी मिली थी कि यहां किसी कमेटी द्वारा प्रदर्शन करने की तैयारी है। चूंकि इकबाल मैदान में किसी तरह का प्रदर्शन या धरना की अनुमति लंबे समय से वर्जित है। व्यवस्था को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया था। वक्फ संशोधन बिल के विरोध में गुरुवार को भोपाल में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड पर धरना-प्रदर्शन किया। बोर्ड के बैनर तले सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज जन धरना स्थल पर एकत्रित हुए। शाम करीब 4 बजे यह धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हुआ।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के नेतृत्व में देश के प्रत्येक कोने तक विकास की पहुंच सुनिश्चित हो; इसके लिए केंद्र सरकार कार्य कर रही है।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

9 घंटे बाद बुझाई जा सकी पाइप फैक्ट्री की आग

पीथमपुर में एक हजार लीटर फोम, 25 डंपर रेत और 12 दमकलें लगीं

न्यूज क्राइम फाइल

धार में पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया की कंपनी में लगी आग पर करीब 9 घंटे में काबू पाया जा सका। आग बुझाने में एक हजार लीटर फोम, 25 डंपर रेत और फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियों का पानी लगा। आसपास की फैक्ट्रियों को लपटों से बचाने के लिए जेसीबी इस्तेमाल कर मिट्टी-रेत की दीवार बनाई गई थी। एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर ने बताया कि सिग्नेट पाइप कंपनी में आग गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे लगी। इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। कंपनी प्लास्टिक के पाइप बनाती है। कच्चे माल की वजह से लपटें तेजी से बढ़ीं। इसमें कंपनी में खड़ी दो क्रेन भी जल गईं। नुकसान का आंकलन फिलहाल नहीं किया जा सका है। एसडीआरएफ के प्लाटून कमांडर अश्विन चौधरी ने कहा- 70 फायर फाइटर, नगर पालिका के 150 से ज्यादा कर्मचारी, एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सुबह करीब साढ़े 11 बजे आग बुझाई। हादसे में किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

पिछले साल जून में भी लगी थी आग

11 जून 2024 को भी इसी फैक्ट्री में आग लगी थी। इस पर 11 घंटे में काबू पाया जा सका था। 20 से ज्यादा दमकलें आग पर काबू पाने में लगी रहीं। पहले पानी और फोम का इस्तेमाल किया गया। जब आग फैलने से नहीं रुकी तो 25 से ज्यादा डंपर से रेत और मिट्टी बुलाई गई। कंपनी के पीछे के हिस्से की बाउंड्रीवॉल को तोड़ दिया गया। यहां से फायर ब्रिगेड ने अंदर जाकर आग बुझाई।

बेटी ने लव मैरिज की, पिता ने आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा- किसी ने मेरा दर्द नहीं समझा, पूरा परिवार नष्ट हो गया

न्यूज क्राइम फाइल

वो वकील जो कुछ पैसों के लिए एक परिवार की बलि चढ़ा देता है, उनकी भी तो बेटियां होती हैं। वह खुद नहीं सोचते एक पिता का दर्द। एक पूरा परिवार नष्ट हो गया और समाज में कुछ नहीं बचा। यह लाइनें उस सुसाइड नोट की हैं, जिसे एक बेटी के पिता ने खुद को गोली मारने से पहले लिखी थीं। पड़ोस में रहने वाले युवक के साथ बेटी के भागकर शादी करने से ग्वालियर का दवा कारोबारी इस कदर आहत हुआ कि उसे अपनी जिंदगी खत्म करने के अलावा कोई रास्ता नहीं सूझा। उसने अपना दर्द सुसाइड नोट में उड़ेकर रख दिया। लिखा- मैं एक बार फिर कहता हूं कि आर्य समाज की शादी मान्य नहीं होती तो कोर्ट फिर कैसे बालिका को उसके (प्रेमी) साथ भेज

सकता है। इससे हमारा पूरा परिवार नष्ट हो गया है। किसी ने मेरा दर्द नहीं समझा। बेबस पिता ने शायद आत्महत्या की स्क्रिप्ट चार दिन पहले ही अपने मन में उस समय लिख ली थी, जब कोर्ट में बेटी ने उसका हाथ छोड़कर हमेशा के लिए प्रेमी का हाथ थाम लिया था। मृतक बेटी को बेटे से ज्यादा चाहता था। उसकी शादी को लेकर कई सपने देखे थे, लेकिन इस घटना के बाद वह टूट गया। तीन दिन से मायूस घूम रहा था। किसी ने यह नहीं सोचा था कि वह खुद को गोली मार लेगा।

पहले जानिए, क्या था पूरा मामला?

पड़ोसी से अफेयर, शादी कर चुकी थी बेटी

ग्वालियर में एक मेडिकल स्टोर संचालक ने बुधवार देर रात खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। फायरिंग की आवाज सुनते ही परिजन बेडरूम में पहुंचे, जहां व्यवसायी खून से लथपथ पड़ा था। गोली कनपटी पर लगी थी। एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया, ऋषिराज उर्फ संजू जायसवाल की बेटी हर्षिता (20) 15 दिन पहले पड़ोस में रहने वाले आनंद प्रजापति के साथ चली गई थी। पुलिस ने उसे इंदौर से बरामद किया था। उसने पड़ोसी आनंद प्रजापति से आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली थी।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज केंद्रीय कैबिनेट ने खरीफ 2025 के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी दी है, जिसकी बजटीय आवश्यकता 37,216.15 करोड़ है।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

टॉप-सीक्रेट मिशन के तहत भारत लाया गया आतंकी तहव्वुर राणा

सुरक्षाबलों के मोबाइल जमा हुए, फ्लाइट की रियल टाइम मॉनीटरिंग

संदीप कुमार सिंह

2008 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड 64 साल के तहव्वुर राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया। राणा का प्रत्यर्पण टॉप-सीक्रेट मिशन ऑपरेशन राणा के तहत हुआ। ऑपरेशन के दौरान जब राणा को अमेरिका से फ्लाइट में भारत लाया जा रहा था, जब एनआईए का एक अधिकारी पूरे रास्ते उसका हाथ पकड़कर बैठा रहा। ऐसा इसलिए ताकि तहव्वुर राणा खुद को कोई नुकसान न पहुंचा सके। राणा अभी 18 दिन की NIA कस्टडी में है, जहां उससे पूछताछ की जाएगी। भारत लाए जाने के बाद उसे दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया था। जहां एनआईए ने उसकी कस्टडी मांगी थी। राणा ने मुंबई 26/11 अटैक के मुख्य आरोपी डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने हमले किए। ये हमले चार दिनों तक चले। इन हमलों में कुल 175 लोग मारे गए, जिनमें 9 हमलावर भी शामिल थे और 300 से अधिक लोग घायल हुए।

एनआईए कस्टडी में राणा की पहली तस्वीर

भारत पहुंचने के बाद गुरुवार को तहव्वुर राणा की पहली तस्वीर सामने आई। हालांकि इसमें उसका चेहरा नजर नहीं आ रहा है। एनआईए के अधिकारी उसे पकड़े हुए हैं।

भारत पहुंचने के बाद गुरुवार को तहव्वुर राणा की पहली तस्वीर सामने आई। हालांकि इसमें उसका चेहरा नजर नहीं आ रहा है। एनआईए के अधिकारी उसे पकड़े हुए हैं।

1. फ्लाइट की रियल टाइम मॉनिटरिंग

प्रत्यर्पण में राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए के सामने एक और बड़ी चुनौती थी, वह थी ऑपरेशन राणा की भनक पाकिस्तान स्थित आतंकवादी गुटों को न लगने देना। इस मिशन के लिए भारतीय-अमेरिकी खुफिया एजेंसियों , एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट ने फ्लाइट पर रियल टाइम नजर बनाए रखी, ताकि किसी भी मूवमेंट को आसानी से ट्रैक कर सकें।

2. पालम एयरबेस पर हुआ मेडिकल

जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी की एक जॉइंट टीम 9 अप्रैल को राणा को लेकर अमेरिका से रवाना हुई थी। 9 अप्रैल की शाम करीब 6:30 बजे राणा को लेकर अमेरिकी गल्फस्ट्रीम त्र550 विमान दिल्ली के पालम टेक्निकल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था। जहां उसका मेडिकल चेकअप हुआ, इसके बाद उसे सीधे एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया गया।

3. सभी सुरक्षाकर्मियों के मोबाइल जमा कराए गए

दिल्ली में सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए गए थे। राणा को लाने से पहले सभी कर्मचारियों के मोबाइल फोन जमा कर लिए गए थे। जिससे कोई भी सूचना बाहर न जा सके। मीडिया से बचने के लिए, राणा को दूसरे गेट से हवाई अड्डे के बाहर लाया गया। उसे जेल वैन में ले जाया गया। बाद में राणा को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां कैमरों और मोबाइल फोन पर बैन था।

4. देर रात 2 बजे कोर्ट ने दिया कस्टडी की फैसला

तहव्वुर राणा की दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 18 दिन की एनआईए की कस्टडी में भेज दिया। एजेंसी ने आतंकी हमलों को अंजाम देने में राणा की भूमिका की जांच करने के लिए कोर्ट से 20 दिन की रिमांड मांगी थी। स्पेशल एनआईए जज चंद्रजीत सिंह ने बंद कमरे में मामले की सुनवाई की और 10 अप्रैल की देर रात 2 बजे फैसला सुनाया।

एनआईए ने कहा- मुंबई हमले के पर्दाफाश के लिए पूछताछ जरूरी

एनआईए ने पटियाला हाउस कोर्ट में जब तहव्वुर राणा की कस्टडी मांगी तो कहा कि उससे पूछताछ जरूरी है। एनआईए ने कहा कि मुंबई हमले की साजिश का पर्दाफाश करने के लिए हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। आतंकी हमलों को अंजाम देने में राणा की भूमिका की भी जांच करेंगे। मुंबई हमले के दूसरे आरोपी डेविड कोलमैन हेडली ने भारत आने से पहले तहव्वुर राणा के साथ पूरे ऑपरेशन पर चर्चा की थी।

मुंबई हमले में 166 आम लोग मारे गए थे

26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने हमले किए। ये हमले चार दिनों तक चले। इन हमलों में कुल 175 लोग मारे गए, जिनमें 9 हमलावर भी शामिल थे और 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। तहव्वुर राणा इस हमले में शामिल था।

दिल्ली में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

जिम जा रहा था, कार में बैठकर आए हमलावर, 10 राउंड फायरिंग की

न्यूज क्राइम फाइल

दिल्ली में शुक्रवार को अज्ञात बदमाशों ने प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना पश्चिम विहार वेस्ट थाना क्षेत्र स्थित स्टेट बैंक नगर की है। बदमाशों ने कार को निशाना बनाकर 8 से 10 राउंड गोलियां चलाईं। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। गोलियां लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके परिजन उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक राजकुमार दलाल के परिजनों ने बताया कि उसकी किसी से दुश्मनी नहीं थी, वो गाड़ी लेकर रोजाना जिम जाता था। शुक्रवार सुबह भी वो जिम जा रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने

हमला कर दिया। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस को घटनास्थल से एक दर्जन गोलियों के खाली खोखे मिले। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। जांच के बाद ही हत्या की वजह सामने आएगी।

शुरुआती जांच में आपसी रंजिश की आशंका

जानकारी के मुताबिक, प्रॉपर्टी डीलर फॉर्च्यूनर कार में बैठे थे। इसी दौरान बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया। उधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी हत्या का कारण सामने नहीं आ सका है, लेकिन शुरुआती जांच में रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे तलाश रही है।

नई दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में युवक को गोली मारी, गंभीर घायल

उधर, नई दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में गुरुवार रात अज्ञात हमलावरों ने 25 वर्षीय युवक मेहराज को गोली मार दी। घायल युवक को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की जानकारी रात 10 बजे डायलपुर थाने को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को अतीक अहमद ने बताया कि उसके बेटे को गली नंबर 15 में गोली मारी गई। एसीपी गोकलपुरी, स॥ह्न डायलपुर, क्राइम टीम और स्न्नस्रु की टीम ने मौके की जांच की। आरोपियों की तलाश के लिए टीमें लगाई गई हैं। मामले की जांच जारी है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623